एसआईएफ बाजार में आने को तैयार फंडों की नई कतार

अभिषेक कुमार
मुंबई, 28 अप्रैल

स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) की दुनिया में होड़ और गहराने वाली है। निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए लगभग एक दर्जन फंड हाउस इसके मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं।

एसआईएफ में असल में म्युचुअल फंडों को ज्यादा जटिल और जोखिम वाली रणनीतियां पेश करने की इजाजत है। इस श्रेणी के तहत आई पहली पेशकश के छह महीनों के भीतर ही प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 10,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई हैं।

आने वाले हफ्तों में कई बड़े फंड हाउस का इसमें प्रवेश कर सकते हैं। कोटक म्युचुअल फ़ंड (इनफिनिटी हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट फंड), मिरे ऐसेट म्युचुअल फंड (प्लेटिनम हाइब्रिड लॉन्ग शॉर्ट फंड) और एचएसबीसी म्युचुअल फंड (रेडहेक्स हाइब्रिड लॉन्ग शॉर्ट फंड) को अपनी पहली एसआईएफ पेशकश के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से नियामकीय मंजूरी मिल गई है। यूनियन म्युचुअल फंड भी जल्द ही अपनी पहली योजना अर्थाय इक्विटी लॉन्ग शॉर्ट फंड ला सकता है।

हालांकि ये लॉन्च एक ही समय पर हो सकते हैं। लेकिन बाजार के रास्ते अलग-अलग हो सकते हैं। कुछ फ़ंड हाउस जैसे मिरे ऐसेट म्युचुअल फंड ने महीनों पहले ही लाइसेंस हासिल कर लिया था, लेकिन परिचालन संबंधी तैयारी सुनिश्चित करने के लिए उसने लॉन्च को टाल दिया। दूसरों ने इस उभरते हुए सेगमेंट में उतरने से पहले देखो और इंतज़ार करो का रवैया अपनाया है।

बिनय सिन्हा

मिरे ऐसेट एमएफ के प्रमुख (प्रोडक्ट्स, बिजनेस स्ट्रेटजी और इंटरनैशनल बिजनेस) वैभव शाह ने कहा, हमारा नज़रिया यह सुनिश्चित करना रहा है कि हम बाजार में ऐसी योजना लाएं जो दूसरों से अलग हो और जिसकी सही निवेश टीम हो और परिचालन संबंधी मजबूत तैयारी हो। हालांकि इसका मतलब यह था कि लॉन्च से पहले थोड़ा समय और मिल जाए लेकिन इससे हमें इस सेगमेंट में ज्यादा मज़बूत और बड़े पैमाने की योजना के साथ उतरने का मौका मिला।

एसआईएफ सेगमेंट में शुरुआती चुनौतियों में से एक सीमित वितरण आधार रहा। लेकिन हाल के महीनों में इसमें सुधार हुआ है क्योंकि म्युचुअल फंड के ज्यादा वितरकों ने आवश्यक सर्टिफिकेशन पूरा कर लिया है।

शाह ने कहा, पिछले कुछ महीनों में हमने फंड वितरकों की तैयारियों में लगातार प्रगति देखी है, जिसमें ज्यादा पार्टनर जरूरी प्रमाणन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा कर रहे हैं। नियामक भी इस दायरे को और बढ़ाने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की समीक्षा कर रहे हैं। म्युचुअल फंड क्षेत्र में दो रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंटों में से एक कैम्स का कहना है कि वह एसआईएफ क्षेत्र में गतिविधियों में तेजी देख रहा है।

कैम्स के प्रबंध निदेशक अनुज कुमार ने कहा, कैम्स जिन एएमसी को सेवाएं दे रही हैं, उनमें से 6 पहले ही कामकाज शुरू कर चुकी हैं। उनके पास 30,000 से ज्यादा निवेशक और 6,000 करोड़ रुपये की एयूएम है। अगली तिमाही में 10 और एएमसी के आने की उम्मीद है। 6,000 से ज्यादा फंड वितरकों ने एसआईएफ के लिए पंजीकरण करवाया है, जिससे संकेत मिलता है कि पूरा इकोसिस्टम इस श्रेणी की मदद करने के लिए तैयार है। यह श्रेणी अब पेशकश वाले दौर से आगे बढ़कर अपनाने के चरण पर पहुंच चुकी है।

अब तक, आठ फंड हाउस 360 वन म्युचुअल फंड (डायना एसआईएफ), बंधन म्युचुअल फंड (आरूढ़ एसआईएफ), एडलवाइस म्युचुअल फंड (अल्तिवा एसआईएफ), आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्युचुअल फंड (आई एसआईएफ), आईटीआई म्युचुअल फंड (डिविनिटी एसआईएफ), क्वांट म्युचुअल फंड (क्यूएसआईएफ), एसबीआई म्युचुअल फंड (मैग्नम एसआईएफ) और टाटा म्युचुअल फंड (टाइटेनियम एसआईएफ) ने इस सेगमेंट में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।

कई अन्य बड़े फंड हाउस, खासकर 20 अग्रणी फर्मों में शामिल, उतरने का जायजा ले रहे हैं या उसकी तैयारी के अलग-अलग चरणों में हैं। इनमें एचडीएफसी म्युचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्युचुअल फंड, यूटीआई म्युचुअल फंड, ऐक्सिस म्युचुअल फंड और डीएसपी म्युचुअल फंड शामिल हैं। इनमें से ज्यादातर ने एसआईएफ लाइसेंस हासिल कर लिए हैं और वे योजनाओं की रणनीतियों पर काम कर रहे या नियामकीय मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

एचडीएफसी एमएफ के सीईओ नवनीत मुनोत ने इस महीने की शुरुआत में कमाई के आंकड़ों पर हुई कॉल के दौरान कहा था, हमने सभी जरूरी नियामकीय मंजूरी हासिल कर ली हैं। हमारी टीम इस क्षेत्र में कुछ अलग तरह की योजना बनाने पर काम कर रही है।

नई कंपनियों के अलावा मौजूदा कंपनियां भी लॉन्च के लिए मज़बूत तैयारी कर रही हैं। एडलवाइस म्युचुअल फंड (अल्तिवा एसआईएफ), आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्युचुअल फंड (आई एसआईएफ) और अन्य ने अतिरिक्त योजनाओं के लिए पहले ही मंजूरी हासिल कर ली है।

एनएसई आईपीओ में हिस्सा बेचेंगे टेमासेक, एलआईसी, कनाडा पेंशन फंड

रॉयटर्स
मुंबई, 28 अप्रैल

सिंगापुर की सरकारी स्वामित्व वाली निवेशक कंपनी टेमासेक और कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड उन 20 निवेशकों में शामिल हैं, जो इस साल नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आईपीओ में अपनी हिस्सेदारी बेचना चाहते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

भारत के सबसे बड़े एक्सचेंज की यह शेयर बिक्री 2.75 अरब डॉलर की होगी। यह अनुमान एनएसई के कुल मूल्यांकन 55 अरब डॉलर पर आधारित है, जिसका आकलन एक ऐसे प्लेटफॉर्म ने किया है, जहां इसके असूचीबद्ध शेयरों का कारोबार होता है।

यह इस साल भारत में शेयरों की दो बड़ी बिक्री में से एक होगी। इसके साथ ही अरबपति मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स का इश्यू भी आएगा। एनएसई 2016 से सूचीबद्ध होने की कोशिश कर रहा है जबकि उसका मुख्य घरेलू प्रतिद्वंद्वी बीएसई लिमिटेड 2017 में सूचीबद्ध हो गया था।

अजय मोहंती

सूत्रों ने बताया कि बेचने वालों में भारत की सरकारी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम, देश का सबसे बड़ा बैंक भारतीय स्टेट बैंक और घरेलू प्राइवेट इक्विटी फंड क्रिसकैपिटल भी शामिल होंगे। नाम न बताने की शर्त पर सूत्रों ने जानकारी दी कि कुल मिलाकर एनएसई के मौजूदा शेयरधारक आईपीओ में अपनी 5 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे।

रॉयटर्स के सवालों के जवाब में एनएसई ने कहा कि उसके बोर्ड ने ऑफर फॉर सेल के जरिये शेयर बेचने के लिए आईपीओ को मंजूरी दे दी है। लेकिन फिलहाल इससे आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। एलआईसी, एसबीआई और क्रिसकैपिटल ने टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया। टेमासेक और सीपीपीआईबी ने टिप्पणी से मना कर दिया।

एनएसई दुनिया का सबसे सक्रिय इक्विटी डेरिवेटिव ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म है। इस साल बाज़ार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ कानूनी विवाद के कारण लंबी देरी हुई और अब इसे सूचीबद्धता के लिए मंजूरी मिल गई है। कानूनी विवाद निपटाने के लिए मौद्रिक समझौते की संभावना है, जिससे सार्वजनिक पेशकश का रास्ता खुल जाएगा।

1,77,807 शेयरधारकों के साथ एनएसई निवेशकों की संख्या के मामले में भारत की सबसे बड़ी असूचीबद्ध कंपनी है। इससे यह पेशकश प्रक्रिया और जटिल हो गई है। एलआईसी, एसबीआई, टेमासेक होल्डिंग्स, मॉर्गन स्टैनली और सीपीपीआईबी इसके संस्थागत शेयरधारक हैं।

सूत्रों ने बताया कि सोमवार बिक्री के लिए अभिरुचि पत्र जमा जमा कराने की अंतिम तारीख थी, जिसे मर्चेंट बैंकर्स ने आईपीओ प्रक्रिया के हिस्से के तौर पर मांगा था। अब एनएसई अपने वित्तीय परिणाम घोषित होने के बाद अगले महीने तक सेबी के पास विवरणिका मसौदा जमा कराना होगा।

एनएसई का 31 दिसंबर को समाप्त तीसरी तिमाही में कर पश्चात मुनाफा 15 फीसदी बढ़कर 24.08 अरब रुपये पर पहुंच गया, जिसे डेरिवेटिव ट्रेडिंग में सुधार से बढ़ावा मिला। परिचालन से उसका एकीकृत राजस्व पिछली तिमाही की तुलना में लगभग 7 फीसदी बढ़ा।

तेल उछलने से रुपया कमजोर, बॉन्ड यील्ड में तेजी

अंजलि कुमारी
मुंबई, 28 अप्रैल

डीलरों ने बताया कि मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण रुपया कमजोर हुआ और सरकारी बॉन्ड यील्ड में तेजी आई। रुपया 0.38 प्रतिशत गिरकर 94.55 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जबकि एक दिन पहले यह 94.19 प्रति डॉलर पर था।

कारोबारियों ने बताया कि सरकारी बैंकों ने संभवतः भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से डॉलर खरीदे, जिससे रुपये को और गिरने से बचाया जा सका। चालू कैलेंडर वर्ष में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में अब तक 4.94 प्रतिशत की कमजोरी आई है। लेकिन चालू वित्त वर्ष में इसमें अब तक 0.28 प्रतिशत की मजबूती देखी गई है।

फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी में ट्रेजरी प्रमुख और कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा, 'कच्चे तेल की कीमतें 111 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। ऐसे में तेल आयात के लिए डॉलर की मांग ज्यादा रहने की उम्मीद है। तेल की बढ़ती कीमतों के कारण रुपया संवेदनशील नजर आ रहा है। एफपीआई और दूसरे स्रोतों से लगातार होती निकासी से भी इस मुद्रा पर दबाव बना हुआ है।'

कच्चे तेल की कीमतों में 2.62 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 111.07 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। डॉलर इंडेक्स 0.25 प्रतिशत बढ़कर 98.73 पर पहुंच गया। डॉलर इंडेक्स छह प्रमुख मुद्राओं के समूह के मुकाबले डॉलर की मजबूती मापता है।

मंगलवार को एशियाई व्यापार में तेल की कीमतों में वृद्धि देखी गई, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध कम होने के संकेत नहीं दिख रहे थे। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने तेहरान के होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के ईरान के प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिससे अल्पावधि में महत्त्वपूर्ण शिपिंग मार्ग काफी हद तक बंद है।

इस बीच, बेंचमार्क 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड पर प्रतिफल 4 आधार अंक बढ़कर 6.98 प्रतिशत पर आ गया, जो एक दिन पहले 6.94 प्रतिशत के स्तर पर था।

बैंक शेयरों में गिरावट से बाजार नीचे

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट देखने को मिली। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों के मनोबल को कमजोर किया। साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक ने क्रेडिट-लॉस से जुड़े अंतिम दिशानिर्देश जारी किए जिससे बैंकिंग शेयरों पर दबाव बढ़ गया। ब्रेंट क्रूड की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई। पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करने की कोशिशें नाकाम होती नजर आईं जिससे कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं।

तेल की ज्यादा कीमतें भारत के लिए नकारात्मक हैं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। कीमतें ज्यादा रहने से महंगाई का खतरा बढ़ जाता है और आर्थिक वृद्धि तथा कंपनियों की आय पर दबाव पड़ता है।

एनएसई निफ्टी 0.4 फीसदी गिरकर 23,995.70 पर आ गया जबकि बीएसई सेंसेक्स 0.54 फीसदी की फिसलन के साथ 76,886.91 पर टिका। शुरुआती एक घंटे में दोनों बेंचमार्क करीब 0.3 फीसदी की बढ़त पर दिखे। लेकिन डेरिवेटिव की मासिक एक्सपायरी से पहले ही इनकी चाल बदल गई। 16 प्रमुख सेक्टरों में से दस में गिरावट दर्ज की गई।

आरबीआई के नए नियमों के बाद ज्यादा भारांक वाले बैंकों, प्राइवेट बैंकों और सरकारी बैंकों को क्रमशः 1.5 फीसदी, 1.2 फीसदी और 2.2 फीसदी का नुकसान हुआ। *रॉयटर्स*

स्मॉल-मिडकैप में बढ़त जारी रहने की संभावना

पुनीत वाधवा और दीपक कोरगांवकर
नई दिल्ली/मुंबई, 28 अप्रैल

स्मॉल और मिडकैप शेयरों ने बाजार के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने फरवरी के आखिर में पश्चिम एशिया में जंग छिड़ने के बाद हुए नुकसान की भरपाई कर ली है। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 27 फरवरी के अपने स्तर से 6.2 फीसदी ऊपर निकल गया है जबकि निफ्टी मिडकैप 100 में 2.2 फीसदी बढ़ चुका है। इनकी तुलना में निफ्टी 50 इंडेक्स और बीएसई सेंसेक्स क्रमशः 4.7 फीसदी और 5.3 फीसदी नीचे हैं।

विश्लेषकों का अनुमान है कि पश्चिम एशिया संकट के बावजूद स्मॉल और मिडकैप सेगमेंट में अच्छी बढ़त जारी रहेगी और आने वाले महीनों में वे लार्जकैप से बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

इक्विनॉमिक्स रिसर्च के संस्थापक और शोध प्रमुख जी. चोकालिंगम ने कहा कि स्मॉल और मिडकैप शेयरों के अच्छा प्रदर्शन करने का एक कारण यह है कि 2025 में उन्होंने तुलनात्मक रूप से कमजोर प्रदर्शन किया था। इन दोनों सेगमेंट में मूल्यांकन अपेक्षाकृत आकर्षक हैं और पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण फरवरी 2026 से इन शेयरों में गिरावट आई है।

उन्होंने कहा, एक और वजह प्राथमिक बाजार की सुस्ती है। प्राथमिक बाजार में निवेश के मौकों की कमी के कारण खुदरा निवेशकों का पैसा सेकंडरी बाजार के शेयरों, खासकर स्मॉल और मिडकैप सेगमेंट, की ओर गया। हम लगातार सलाह देते रहे हैं कि गिरावट आने पर खास तौर पर स्मॉल और मिडकैप शेयरों में निवेश करें। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली और रुपये की कमजोरी का इन शेयरों पर अपेक्षाकृत कम असर पड़ता है। इसलिए, हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में स्मॉल और मिडकैप शेयरों का प्रदर्शन बेहतर रहेगा।

विदेशी बनाम देसी संस्थान

नैशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों से पता चलता है कि जहां एक ओर विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने 27 फरवरी से 27 अप्रैल के बीच भारतीय शेयर बाजारों से करीब 1.7 लाख करोड़ रुपये निकाले, वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने करीब 1.9 लाख करोड़ रुपये के निवेश के साथ बाजारों को सहारा दिया।

अल्फानीति फिनटेक के सह-संस्थापक और निदेशक यू.आर. भट्ट ने कहा, हमें उम्मीद नहीं है कि एफआईआई का पैसा जल्द ही जबरदस्त जोश के साथ भारत लौटेगा। उन्होंने कहा, उनके लिए भारत की तुलना में दूसरे बाजारों का सापेक्ष मूल्यांकन मायने रखता है और रुपया-डॉलर की विनिमय दर भी। जिन कंपनियों के शेयर तेल कीमतों के झटके को झेल सकते हैं, वे कम से कम मध्यम अवधि में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी एनर्जी इंडेक्स सबसे ज्यादा फायदे में रहा। यह 27 फरवरी से 28 अप्रैल के बीच 10.7 फीसदी बढ़ा। इसके बाद निफ्टी मेटल इंडेक्स का स्थान रहा जिसमें 6.6 फीसदी की तेजी देखी गई। आंकड़ों के मुताबिक निफ्टी रियल्टी, कंज्यूमर ड्यूरेबल और फार्मा इंडेक्स में 1 से 2 फीसदी के बीच बढ़त हुई है।

इस दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सबसे ज्यादा नुकसान में रहे। निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 27 फरवरी के स्तर से 11.8 फीसदी नीचे गिर गया। निफ्टी ऑटो और निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स 8 फीसदी नीचे गिरे। इसके बाद निफ्टी आईटी (5.4 फीसदी नीचे) और निफ्टी ऑयल ऐंड गैस (4.7 फीसदी नीचे) का स्थान रहा।

वेलेंटिस एडवाइजर्स के संस्थापक और प्रबंध निदेशक ज्योतिवर्धन जयपुरिया ने कहा कि कमाई में सुधार के चलते अगले 12-18 महीनों तक स्मॉल-कैप की कहानी जारी रहेगी। उन्हें उम्मीद है कि अगले दो सालों में स्मॉल-कैप शेयर 20-25 फीसदी चक्रवृद्धि के हिसाब से रिटर्न देंगे।

प्रपत्र जी

बैगइट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

भिवंडी, थाने, महाराष्ट्र तथा लालबाग, मुंबई, महाराष्ट्र में हैंडबैगों की डिजाइन, निर्माण एवं रिटेल के व्यवसाय में संचालित के लिए इच्छा की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण

[भारतीय दिवाला और ऋण अशोधन बोर्ड (निगमित व्यक्तियों के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियम, 2016 के विनियम 36ए के उप-विनियम (1) के अधीन]

क्र.	प्रासंगिक विवरण	
1.	निगमित कर्जदार के नाम के साथ पैन एवं सीआईएन/एलएलपी नं.	**बैगइट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड CIN: U74999MH2008PTC187968 PAN : AADCB6607J**
2.	पंजीकृत कार्यालय का पता (एमसीए रिकार्डों के अनुसार)	218, नारायण उद्योग भवन, डॉ. अम्बेडकर रोड, लालबाग, मुंबई-400012
3.	वेबसाइट का यूआरएल	https://incorprestructuring.in/baggit_india_pvt_ltd.html
4.	स्थान का विवरण जहां अधिकतम चल सम्पत्तियां अवस्थित है	(i) आरकेजी कॉम्पलेक्स, राधे कृष्ण इंडस्ट्रियल पार्क, पहली मंजिल, पिम्पलास ग्राम, तेमघर, भिवंडी, महाराष्ट्र-421302 (ii) 218, नारायण उद्योग भवन, डॉ. अम्बेडकर रोड, लालबाग, मुंबई-400012
5.	मुख्य उत्पादों/सेवाओ की स्थापित क्षमता	विश्वसनीय उत्पादन अभिलेखो के अभाव के कारण आसानी से पता लगाया नहीं जा सकता है
6.	पिछले वित्त वर्ष में बिक्री किए गए मुख्य उत्पादों/सेवाओं की मात्रा तथा मूल्य	**मात्राः** अभिलेखों में उपलब्ध नहीं **मुख्य उत्पादों की कीमतः** वर्ष 2023-24 के अंतिम उपलब्ध लेखा परीक्षित वित्तीय परिणामों के अनुसार रु. 101.77 करोड़
7.	कर्मचारियों/कामगारों की सं.	42 कर्मी (27 फरवरी 2026, दिवालिया शुरू होने की तारीख के अनुसार)
8.	दो वर्षों के अंतिम उपलब्ध वित्तीय विवरण (अनुसूची के साथ) सहित आगे के विवरण, ऋणदाताओं की सूची यूआरएल पर उपलब्ध है	cirp.baggit@gmail.com, ipamitkaria@gmail.com पर ईमेल पर भेज कर विवरण तथा/अथवा उसके अधीन बनाई गई संहिता एवं विनियमों के प्रावधानों के अनुसार वर्चुअल डेटा रूम से प्राप्त किए जा सकते हैं।
9.	संहिता की धारा 25(2)(एच) के अधीन समाधान आवेदकों हेतु पात्रता यूआरएल पर उपलब्ध हैः	विस्तृत इच्छा की अभिव्यक्ति (ईओआई) हेतु आमंत्रण, जिसमें संहिता की धारा 25 (2) (एच) के अधीन समाधान आवेदनों के लिए पात्रता तथा अपात्रता शामिल है, cirp.baggit@gmail.com, ipamitkaria@gmail. com पर ईमेल पर भेज कर प्राप्त किए जा सकते हैं तथा https://incorprestructuring.in/baggit_india_pvt_ltd.html पर उपलब्ध है।
10.	इच्छा की अभिव्यक्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि	14 मई 2026
11.	प्रत्याशित समाधान आवेदकों की अनंतिम सूची जारी करने की तिथि	24 मई 2026
12.	अनंतिम सूची पर आपत्तियां जमा करने की अंतिम तिथि	29 मई 2026
13.	प्रस्तावित समाधान आवेदकों की अंतिम सूची जारी करने की तिथि	8 जून 2026
14.	सूचना ज्ञापन, मूल्यांकन मैट्रिक्स तथा प्रत्याशित समाधान आवेदकों के लिए समाधान योजना हेतु अनुरोध जारी करने की तिथि	13 जून 2026
15.	समाधान योजनाएं जमा करने की अंतिम तिथि	13 जुलाई 2026
16.	इच्छा की अभिव्यक्ति जमा करने हेतु ईमेल आईडी	cirp.baggit@gmail.com ipamitkaria@gmail.com
17.	निगमित कर्जदार के एमएसएमई के रूप में पंजीकरण की स्थिति का विवरण	निगमित ऋणदाता एक मझोला उद्यम है, जिसका उद्यम पंजीकरण संख्याः UDYAM–MH–19–0011966 है

हस्ता/-
अमित विजय करिया
समाधान पेशेवर
बैगइट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
आईबीबीआई पंजीकरण सं.: IBBI/IPA-001/IP-P02600/2021-2022/13969
एएफएः AA1/13969/02/311226/108584 31 दिसंबर, 2026 तक वैध है
405, हिंद राजस्थान बिल्डिंग, डी.एस. फाल्के रोड, दादर ईस्ट, मुंबई-400014

तारीखः 29.04.2026
स्थानः मुंबई

यूको बैंक UCO BANK
Honours Your Trust
(A Govt. of India Undertaking)

तृतीय तल, सरकारी कारोबार एवं वित्तीय समावेशन विभाग, 10, बी.टी.एम. सरणी, यूको बैंक प्रधान कार्यालय, कोलकाता - 700001

आरएफपी आमंत्रण सूचना

यूको बैंक अपने परिसरों में स्थित आधार नामांकन केंद्रों पर संचालकों (ऑपरेटरों) की तैनाती हेतु पात्र एवं प्रतिष्ठित श्रमशक्ति एजेंसियों से श्रमशक्ति एजेंसियों के चयन के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करता है।

संदर्भ संख्याः HO/FI/42/2026-27, **दिनांकः** 28/04/2026

योग्यता मानदंड, कार्य-क्षेत्र, नियम एवं शर्तें तथा निविदा अनुसूची सहित विस्तृत आरएफपी दस्तावेज़ बैंक के ई-निविदा पोर्टल, बैंक की वेबसाइट तथा सीपीपी पोर्टल पर उपलब्ध है।

Bank E-tender portal: **https://www.tenderwizard.com/UCOBANK**. Bank website: **www.uco.bank.in**

दिनांक : 29.04.2026

(डीजीएम)
सरकारी कारोबार एवं वित्तीय समावेशन विभाग

NSE

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय: एक्सचेंज प्लाज़ा, सी-१, ब्लॉक जी, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - ४०० ०५१, महाराष्ट्र, भारत

सार्वजनिक सूचना

सेबी (इक्विटी शेयरों की असूचीबद्धता) विनियम, २०२१ के विनियमन ३२(५)(ए) के अंतर्गत कंपनियों के इक्विटी शेयरों की अनिवार्य असूचीबद्धता के संबंध में सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों की असूचीबद्धता) विनियम, २०२१ ("असूचीबद्धता विनियम") के विनियमन ३२(५)(ए), प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, १९५६ की धारा २१ए, प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियम, १९५७ के नियम २१(२)(बी) तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ("एक्सचेंज") के उप-नियमों और विनियमों के अंतर्गत निम्नलिखित कंपनी के इक्विटी शेयरों को **०६ अप्रैल, २०२६** से असूचीबद्ध कर दिया गया है।

बीएसई द्वारा अनिवार्य रूप से असूचीबद्ध की गई कंपनी:

कंपनी का नाम और पंजीकृत कार्यालय का पता*	उचित मूल्य (रु. प्रति शेयर)	प्रवर्तकों के नाम	प्रवर्तकों का पता*
विसेश इन्फोटेक्निक्स लिमिटेड ७०३, अरुणाचल बिल्डिंग, १९, बड़ाखंबा रोड, नई दिल्ली - ११०००१	१.११/-	पीयूष कुमार अग्रवाल	३१३, बी ब्लॉक, सरस्वती विहार, पीतमपुरा, नई दिल्ली-११००३४ ७५६, डी ब्लॉक, सरस्वती विहार, पीतमपुरा, दिल्ली -११००८७ डी-७९०, सरस्वती विहार, दिल्ली - ११००३४ और; ३९० यूजीएफ और एफएफ कोहाट एन्क्लेव पीतमपुरा, नई दिल्ली-११००३४
		सीमा अग्रवाल	३१३ बी ब्लॉक, सरस्वती विहार, पीतमपुरा, नई दिल्ली-११००३४ डी-७९०, सरस्वती विहार, दिल्ली-११००३४। ३९० यूजीएफ और एफएफ कोहाट एन्क्लेव पीतमपुरा, नई दिल्ली-११००३४ और; एच नंबर-७/३३ यूजीएफ, वीरमानी सरकारी स्कूल के पास, रूप नगर, दिल्ली- ११०००७
		ओमकम कैपिटल मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड	७०२ अरुणाचल बिल्डिंग १९ बड़ाखंबा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -११०००१ और; ३०६, प्रताप चैंबर्स, गुरुद्वारा रोड। करोल बाग, नई दिल्ली -११०००१
		ओमकम ग्लोबल कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड	७०२ अरुणाचल बिल्डिंग, १९ बाराखंबा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -११०००१
		ओमकम सिक्योरिटीज़ प्राइवेट लिमिटेड	७०२ अरुणाचल बिल्डिंग, १९ बाराखंबा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -११०००१ और; ३०४, ३०५ और ३०६ प्रताप चैंबर्स गुरुद्वारा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली

*पते एक्सचेंज के रिकॉर्ड के अनुसार उपलब्ध हैं।

महत्वपूर्ण नोट:
सेबी (इक्विटी शेयरों की असूचीबद्धता) विनियम, २०२१ के अनुसार, अनिवार्य असूचीबद्धता के निम्नलिखित परिणाम होंगे:

क. असूचीबद्धता विनियमों के विनियमन ३४(१) के अंतर्गत, कंपनी, इसके पूर्णकालिक निदेशक, प्रतिभूति कानूनों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति (एक या एक से अधिक), इसके प्रवर्तक, और इनमें से किसी के द्वारा प्रवर्तित की गई कंपनियाँ, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिभूति बाजार तक पहुँच प्राप्त नहीं करेंगी या किसी इक्विटी शेयर को सूचीबद्ध करने की माँग नहीं करेंगी या ऐसी असूचीबद्धता की तारीख से दस (१०) वर्ष की अवधि के लिए प्रतिभूति बाजार में मध्यस्थ के रूप में कार्य नहीं करेंगी।

ख. ऐसी कंपनी के मामले में जिसका उचित मूल्य धनात्मक है –

i. ऐसी कंपनी और डिपॉजिटरी प्रवर्तक/प्रवर्तक समूह द्वारा रखे गए किसी भी इक्विटी शेयर तथा लाभांश, अधिकार, बोनस शेयर, विभाजन आदि जैसे कॉर्पोरेट लाभों का बिक्री, गिरवी आदि के माध्यम से हस्तांतरण नहीं करेंगे; प्रवर्तकों/प्रवर्तक समूह द्वारा रखे गए सभी इक्विटी शेयरों पर तब तक रोक रहेगी, जब तक कि ऐसी कंपनी के प्रवर्तक इन विनियमों के विनियमन ३३ के उप-विनियमन (४) के अनुपालन में सार्वजनिक शेयरधारकों को बाहर निकलने का विकल्प प्रदान नहीं करते हैं, जैसा कि संबंधित मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज द्वारा प्रमाणित किया गया है;

ii. अनिवार्य रूप से असूचीबद्ध की गई कंपनी के प्रवर्तक, पूर्णकालिक निदेशक, और प्रतिभूति कानूनों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति भी तब तक किसी सूचीबद्ध कंपनी के निदेशक बनने के लिए पात्र नहीं होंगे, जब तक कि खंड (ए) में उल्लिखित बाहर निकलने का विकल्प प्रदान नहीं किया जाता है।

ग. सार्वजनिक शेयरधारकों को बाहर निकलने का विकल्प देने की जिम्मेदारी कंपनी के प्रवर्तकों की है।

घ. असूचीबद्धता विनियमों के विनियमन ३३(४) के अंतर्गत, कंपनी के प्रवर्तक(कों) को सार्वजनिक शेयरधारकों से उनके शेयरों को बनाए रखने के लिए सार्वजनिक शेयरधारकों के विकल्प के अधीन, मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज से असूचीबद्धता की तारीख के तीन महीने के भीतर, मूल्यांकनकर्ता द्वारा निर्धारित मूल्य का भुगतान करके असूचीबद्ध किए गए इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण करना होगा।

ङ. असूचीबद्धता विनियमों के विनियमन ३३(५) के अंतर्गत, यदि विनियमन ३३ के उप-विनियमन (३) के अंतर्गत निर्दिष्ट समय के भीतर, सभी शेयरधारकों को विनियमन ३३ के उप-विनियमन (४) के अंतर्गत देय मूल्य का भुगतान नहीं किया जाता है, तो प्रवर्तक उन सभी शेयरधारकों को दस प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होगा, जो अनिवार्य असूचीबद्धता ऑफर के अंतर्गत अपने शेयर प्रस्तुत करते हैं।

किसी भी प्रश्न को असूचीबद्धता समिति, लिस्टिंग विभाग, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड 'एक्सचेंज प्लाज़ा, सी -१, ब्लॉक-जी, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई ४०० ०५१ तथा ९वीं मंजिल इंस्पायर, बीकेसी मुख्य मार्ग, जी ब्लॉक बीकेसी, पत्थर नगर, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा ईस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र ४०००५१ को संबोधित किया जा सकता है। संपर्क नंबर: +९१ २२ २६५९८१०० (३२०१४), ई-मेल: vgandhi@nse.co.in, delisting@nse.co.in के साथ प्रतिलिपि dl-insp-enf-delisting@nse.co.in पर।

प्रश्न अनिवार्य रूप से उपरोक्त निर्दिष्ट ईमेल पते पर ईमेल किए जाने चाहिए। किसी भी गुमनाम प्रश्न को वैध नहीं माना जाएगा।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की ओर से और उनकी तरफ से

स्थान: मुंबई
दिनांक: २९ अप्रैल, २०२६

Nifty50

pnb Housing
Finance Limited
Ghar Ki Baat

पंजीकृत कार्यालय : 9वीं मंजिल, अंतरिक्ष भवन, 22, के.जी. मार्ग, नई दिल्ली–110001
फोन : 011–66030500, ई–मेल : investor.services@pnbhousing.com
वेबसाइट : www.pnbhousing.com, CIN : L65922DL1988PLC033856

शेयरधारकों को सूचना
(कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों की जानकारी के लिए)

शेयरधारकों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि समय–समय पर यथा संशोधित निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि (आईईपीएफ) प्राधिकरण (लेखा, लेखापरीक्षा, अंतरण और वापसी) नियम, 2016 (नियम) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') के प्रावधानों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2018–19 के लिए घोषित लाभांश अर्थात् 29 जुलाई, 2019 को, जो सात वर्षों की अवधि के लिए अदावा/अवैतनिक रहा, आईईपीएफ को अंतरण के लिए देय होगा। संबंधित शेयर, जिन पर लाभांश का लगातार सात वर्षों तक दावा नहीं किया गया था, उन्हें भी संशोधित नियमों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आईईपीएफ के डीमैट खाते में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

उक्त नियमों के अनुपालन में, कंपनी ने संबंधित शेयरधारकों को व्यक्तिगत सूचनाएं भेजी हैं, जिनके शेयरों का लाभांश सात लगातार वर्षों या उससे अधिक अवधि तक दावा न की गई या भुगतान नहीं किया गया है, उन्हें कंपनी द्वारा निवेश शिक्षा और संरक्षण निधि (''आईईपीएफ'') में उनके पंजीकृत पते पर पत्रों के माध्यम से हस्तांतरित किए जाएगा।

यदि कंपनी को 10 अगस्त, 2026 तक संबंधित शेयरधारकों से कोई संचार प्राप्त नहीं होता है, तो कंपनी उक्त नियमों के अनुपालन में नियम दिनांक तक दावा न किए गए लाभांश 2018–19 की राशि आईईपीएफ को हस्तांतरित करने के लिए विवश होगी। संबंधित शेयर जिन पर लाभांश लगातार सात वर्षों तक दावा नहीं किया जाता है, उन्हें भी बिना किसी और सूचना के स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

संबंधित शेयरधारक(ओं) को यह भी सूचित किया जाता है कि ऐसे शेयरों पर उत्पन्न होने वाले भविष्य के स भी लाभ आईईपीएफ को भी हस्तांतरित किए जाएंगे। कृपया ध्यान दें कि उक्त नियमों के अनुसार आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित दावारहित लाभांश राशि और इक्विटी शेयरों के संबंध में कंपनी के खिलाफ कोई दावा नहीं किया जाएगा। हालांकि, संबंधित शेयरधारक(ओं) को प्रक्रिया का विधिवत पालन करते हुए वेबसाइट www.mca.gov.in पर उपलब्ध निर्धारित ई–फॉर्म आईईपीएफ–5 में ऑनलाइन आवेदन जमा करके आईईपीएफ प्राधिकरण से इसका दावा करने के हकदार हैं।

कंपनी ने ऐसे शेयरधारकों का पूरा विवरण अपनी वेबसाइट पर भी अपलोड किया है। संबंधित शेयरधारक कंपनी की वेबसाइट www.pnbhousing.com के 'इनवेस्टर्स' पेज पर जाकर नाम, डीपीआईडी क्लाइंट आईडी, दावा न की गई राशि आदि के विवरण सत्यापित कर सकते हैं।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) की 27 मार्च, 2026 की सूचना के अनुसार, कंपनी ने दूसरी 100 दिनों का अभियान '' सक्षम निवेशक'' 01 अप्रैल, 2026 से 09 जुलाई, 2026 तक प्रारंभ किया है। इस अभियान को उन शेयरधारकों को प्रोत्साहित करने के लिए लॉन्च किया गयै है जिन्होंने अपने लाभांश का दावा नहीं किया है या जिन्होंने अभी तक अपनी केवाईसी अपडेट नहीं की है। शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने संबंधित डिपॉजिटरी पार्टिसिपेट (डीपी) से संपर्क करके अपनी केवाईसी और नामांकन विवरण अपडेट करें।

शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे भविष्य के लाभांश, यदि कोई हो, की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए अपने संबंधित डीमैट खातों में बैंक खाते के विवरण को सीधे अपडेट करवा ले।

यदि शेयरधारकों के पास कोई प्रश्न हैं या विषय वस्तु पर किसी सहायता की आवश्यकता है, तो वे कंपनी रजिस्ट्रार और ट्रासफर एजेंट(आरटीए) से https://web.in.mpms.mufg.com/helpdesk_Request.html के माध्यम से अनुरोध भेजकर संपर्क कर सकते हैं या मैसर्स एमयूएफजी इंटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, दूरभाषा: 022–49186000, ईमेल : investor.helpdesk@in.mpms.mufg.com, वेबसाइट : www.in.mpms.mufg.com से संपर्क कर सकते हैं।

प्रति पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
हस्ता./–
वीणा जी कामथ,
कंपनी सचिव

दिनांक : 28 अप्रैल, 2026
स्थान : नई दिल्ली